भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4818

29 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए

पश्चिम बंगाल में इस्पात संयंत्र

4818. श्री सौमित्र खान:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

पश्चिम बंगाल में इस्पात संयंत्र/इस्पात क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में हासिल की गई उपलब्धियाँ क्या हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

इस्पात के एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के कारण, सरकार पश्चिम बंगाल सहित देश के सभी राज्यों में इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए एक समर्थकारी वातावरण सृजित करके एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है। किसी राज्य में निवेश के संबंध में निर्णय संबंधित इस्पात कंपनियों/निवेशकों द्वारा वाणिज्यिक सोच-विचारों तथा बाजार के कारकों के आधार पर लिए जाते हैं। सभी राज्यों में इस्पात क्षेत्र को सुविधा प्रदान करने के लिए, सरकार द्वारा किए गए उपायों के ब्यौरे में निम्नलिखित शामिल हैं:-

i. मंत्रालय में परियोजना विकास प्रकोष्ठ (पीडीसी) की स्थापना, जो नए निवेशों को सुकर बनाने के लिए परियोजनाओं की पहचान करने, परियोजनाओं की चरणबद्धता का मूल्यांकन करने और उनके क्रियान्वयन को गति प्रदान करने के लिए आवश्यक उपाय करने में कार्यरत है।

ii. दुबई में हाल ही में आयोजित वर्ल्ड एक्स्पो जैसे कार्यक्रमों में भागीदारी, भारत में इस्पात क्षेत्र की विशेषज्ञता को प्रदर्शित करने के लिए मंत्रालयीन प्रतिनिधिमंडल की जापान, कोरिया, रूस में स्वदेशी इस्पात उपभोक्ताओं के साथ चर्चा तथा भारतीय इस्पात क्षेत्र में निवेश के अवसरों के साथ-साथ व्यापारिक क्षमता को प्रदर्शित करना।

iii. देश के इस्पात क्षेत्र में इस्पात उपयोग, इस्पात की समग्र माँग और निवेश को बढ़ाने के लिए रेलवे, रक्षा, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, आवासन, नागरिक उड्डयन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, कृषि एवं ग्रामीण विकास क्षेत्रों सहित क्षमतावान उपभोक्ताओं को और अधिक शामिल करके मेक इन इंडिया पहल तथा प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान।

****